B-354
L-27

Environment

Leadership Group for Industry Transition (Lead IT) :-

Q1- जलवायु परिवर्तन के प्रयासों की रिपोर्टिंग के संदर्भ में BUR और BTR की अवधारणाओं को स्पष्ट करें और इनके अंतर्निहित अंतरों की चर्चा करें।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Q2- जलवायु परिवर्तन की दिशा में भारत के प्रयासों के संदर्भ में ग्रीन क्रेडिट योजना का विश्लेषण करें। स्पष्ट करें कि योजना को कैसे लागू किया जाएगा और अपेक्षित लाभ की चर्चा करें।

Scanned by CamScanner

भारत का वन सेक्टर

Forest Sector of India

पारिस्थितिक रूप से वनों को ऐसे स्थलीय पारितंत्र के रूप में परिभाषित किया जाता है जहाँ वृक्षों की प्रधानता हो और उनके साथ अन्य प्रकारों की वनस्पति भी आती हो और जहाँ वन्य जीवों को प्राकृतिक रूप से शरण मिलती हो।

भारत के कुल क्षेत्र का लगभग २५% इस प्रकार के वन पारितंत्रों से बना है और यदि पर्वतों के वृक्ष रेखा के परे क्षेत्रों को हटा दिया जाए तो भारत का कुल २४.५% क्षेत्र वन पारितंत्रों

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

से आवृत्त है।

(वृक्ष रेखा → लगभग 4000 मीटर की ऊँचाई के बाद पर्वतीय क्षेत्रों में वृक्ष नहीं पाए जाते, इस ऊँचाई को वृक्ष रेखा कहते हैं।
2800 मीटर की ऊँचाई के बाद ही वृक्षों की सघनता और वृक्षों की लम्बाई क्रम से कम होती चली जाती है।)

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

वनों के संदर्भ में आधिकारिक रूप से मान्य परिभाषाएँ →

① भारत में वनों को आधिकारिक रूप से परिभाषित नहीं किया गया है।

② आधिकारिक उद्देश्यों के लिए वन

Scanned by CamScanner

भूमि और वनों के लिए मान्य क्षेत्र की अवधारणाओं का उपयोग होता है-

a) वन क्षेत्र- ऐसी कोई भूमि जो राज्यों के भूमि रिकॉर्ड में वनों के रूप में दर्ज हो चाहे उनकी वर्तमान वानस्पतिक स्थिति जो भी हो।

राज्यों के रिकॉर्ड में इन भूमियों को वन अधिनियम, 1927 के प्रावधानों के तहत दर्ज किया जाता है।

b) वन भूमि → इन क्षेत्रों का उल्लेख राज्य सरकारों के भूमि रिकॉर्ड में वन विभाग की संपत्ति के रूप में होता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

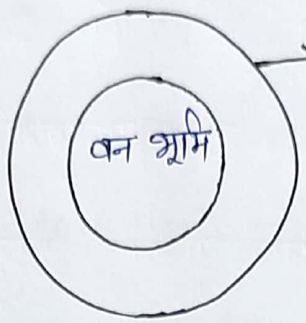

c) वनों के रूप में मान्य क्षेत्र- सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर ऐसे क्षेत्रों को वनों के रूप में मान्यता दी गयी है जो आधिकारिक रूप से वन क्षेत्र में नहीं आते पर वे पारिस्थितिक रूप से वनों के रूप में परिभाषित किए जा सकते हैं।

③ सर्वेक्षण के उद्देश्य से भारत में वन एवं वृक्ष आवरण की अवधारणा प्रचलित है।-

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

a) 1 हेक्टेयर या उससे बड़े भू-खण्ड जहाँ वृक्ष आवरण का प्रतिशत 10% या उससे अधिक हो।

b) वृक्ष आवरण - ऐसे भू-खण्ड जिनका आकार 1 हेक्टेयर से कम है पर वृक्षों का आवरण 10% या उससे अधिक है।

भारत में वनों का सर्वेक्षण प्रत्येक 2 वर्ष पर भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान या Forest Survey of India के द्वारा 1987 से किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण में दूर-संवेदी उपग्रह और स्थानीय स्तर पर सर्वेक्षण दोनों का ही इस्तेमाल किया जाता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

नवीनतम सर्वेक्षण रिपोर्ट २०२१ की रिपोर्ट है जिसके अनुसार -

a) भारत में वनों का आवरण 7,13,789 वर्ग Km. है जो भारत के वन क्षेत्र का 21.71% है।

b) वृक्षों का आवरण 95,748 वर्ग Km. है जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 2.91% है।

इस प्रकार से भारत में वनों एवं वृक्षों का कुल आवरण कुल क्षेत्रफल का 24.62% है। राष्ट्रीय नीति के अनुसार यह 33% होना चाहिए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

Scanned by CamScanner